

प्रेषक,

अंतर दिव,

उप सचिव,

उत्तरांचल शासन

गैला में,

मुख्य चिकित्सक/अधिकारी,

स्वास्थ्य/विशेषज्ञ

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून दिनांक : 20 फरवरी, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सालय, जनपद रुद्रप्रयाग तथा गण्डौरी गंगोली, जनपद पिथौरागढ़ के भवन निर्माण की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आगते सं०-75 /1/सं०/सं०/36/2005/1825 दिनांक 12.01.2006 के संदर्भ में मुझे यह बताने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सालय, जनपद रुद्रप्रयाग तथा गण्डौरी गंगोली, जनपद पिथौरागढ़ के भवन निर्माण हेतु संलग्नकानुसार कुल ₹० 1,28,77,000.00 (एक करोड़ अठारह लाख सातहत्तर हजार मात्र) की लागत पर प्रारम्भिक एवं निम्नीय स्वीकृति प्रदान करने हुए वित्तीय वर्ष में कुल संलग्नानुसार कुल ₹० 43,23,000.00 (एक वींतालीस लाख तैंस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- एकमुश्त प्राविधानों के कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- 2- कार्य कराने समय लैड वि० विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
- 3- भूमि उपलब्ध होने के पश्चात ही धनराशि तत्काल आवंटित की जायेगी तत्पश्चात निर्माण इकाई अथवा परियोजना प्रबंधक, 30प्र० राजकीय निर्माण निगम, उत्तरांचल तथा क्षेत्रीय प्रबंधक, 30प्र० सार्वजनिक कल्याण निर्माण निगम लि० की उपलब्ध कराये जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दस्ता में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि के आवंटन से संबंधित बजट संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट गैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- आगणन में उल्लेखित दस्तों का परिलक्षण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दस्तों में जो दस्त शिष्टगुल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से भी लो गव्ने हो, को स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 7- कार्य पर उतना ही ध्यान दिया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 8- एक मुश्त प्राविधानों के कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दस्तों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पन्न करते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 10- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतल-भाति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकानुसार निर्मित उपर विधिवत दिनांक के अनुरूप कार्य किया जाये।

11. निर्माण में तीन महीने में जो गति स्वीकृत की गयी है, उसी पर दो चक्र किया जाए, एक मर का दूसरी मर में चक्र लगाया जा दिया जाए। निर्माण कार्यों को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा लो जाए, अनुमति मिली जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

12. स्वीकृत प्रयोगों को निर्माण एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दश में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर मासिक की उपलब्ध करायी जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।

13. निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विचारों में बदलाव आता है तो इस दश में समय को पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।


14. निर्माण कार्य में पूर्व नोट के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नोट के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाए।

15. अंतर भवनो के कर्षों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े।

16. उक्त माह माई 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के अंतर्गत 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर भूखंड परियोजना, 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ-आयोजना, 33-ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, 91-शिला योजना, कस्बा तथा तालीका स्वास्थ्य केंद्र के भवनो का निर्माण(सामान्य) (वित्तगत अंश), 24-ग्राम निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

17. यह आदेश वित्त विभाग के अधीन सं- 436/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2006 दिनांक 13.02.2006 में जमा महसूल में जारी किये जा रहे हैं।

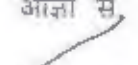
संलग्नक संशोधित;

भवदीय,

 (अनवर सिंह)
 उप सचिव

गो 82(1)/XXVIII-5 2006-61/2005 तदनुसार

निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

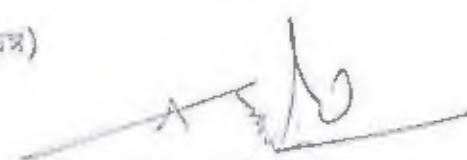
1. कोषाध्यक्ष, उत्तरांचल, भाजपा देहरादून।
2. निदेशक, कोषाध्यक्ष, उत्तरांचल देहरादून।
3. कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग/ पिथौरागढ़।
4. निताधिकारी, रुद्रप्रयाग/ पिथौरागढ़।
5. मुख्य निताधिकारी, रुद्रप्रयाग/ पिथौरागढ़।
6. अंतर परियोजना प्रबन्धक, 3000 राजकीय निर्माण निगम लि० तथा क्षेत्रीय प्रबन्धक, 3000 समाज कल्याण निर्माण निगम, उत्तरांचल।
7. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल देहरादून।
8. निजी सचिव सं० मुख्यमंत्री।
9. राज्य राजकीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/ नियोजन विभाग / एन०आई०सी०।
11. भाजपा जूनाड़ी / गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

 (अनवर सिंह)
 उप सचिव

(धनराशि लाख रु० में)

| क्र.सं० | कार्य का नाम | निर्माण इकाई | लागत | वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि |
|---------|---|--------------|--------|------------------------------------|
| 1 | प्रोत्साहनकेंद्र मध्यस्थता कक्ष सुदामा का भवन निर्माण। | रा.नि.नि० | 69.26 | 20.00 |
| 2 | प्रोत्साहनकेंद्र मण्डई मण्डली कक्ष निर्माण का भवन निर्माण। | रा.नि.नि० | 59.53 | 23.23 |
| | | योग | 128.77 | 43.23 |

(रु० तैत्तलीस लाख तेईस हजार मात्र)


(अनंद सिंह)
उप सचिव